

1 व 2 दिसंबर को एसकेआरएयू में आयोजित होगा 'एग्रीकॉन-2026'



बीकानेर, 20 अक्टूबर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा किसानों तक कृषि तकनीक हस्तांतरण के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 1 व 2 दिसंबर को 'एडवांसिंग एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइंसेज (एग्रीकॉन - 2026)' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इको फास्ट एग्री सोल्यूशन तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में

आयोजित होने वाले इस इंटरनेशनल सिम्पोजियम में देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिक, कृषि उद्यमी, हितधारक, शोधकर्ता एवं विद्यार्थी शामिल होंगे। आनलाईन मोड से भी विभिन्न सत्र आयोजित होंगे। आनलाईन पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 नवंबर है। छात्र कल्याण निदेशक व नोडल अधिकारी डॉ एच एल देशवाल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य कृषि संसाधनों के संरक्षण के साथ फसल उत्पादकता में सुधार तथा कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए किसानों को

प्रोत्साहित करना है। इसमें जलवायु एवं पर्यावरण अनुकूल खेती, स्मार्ट फार्मिंग, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, पशुपालन एवं डेयरी, खाद्य एवं चारा प्रसंस्करण, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, बेहतर विपणन व्यवस्था, कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। फसल उत्पादन, मृदा एवं जल प्रबंधन, पादप प्रजनन, बीज उत्पादन, पादप संरक्षण, पोषक तत्व प्रबंधन, जलवायु अनुकूल कृषि, पशुपालन, डेयरी तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से संबंधित

विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। किसानों की आय में बढ़ोतरी व टिकाऊ खेती पर फोकस कुल गुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से कृषि ज्ञान व तकनीक को किसानों की व्यावहारिक आवश्यकताओं व चुनौतियों के समाधान में मदद मिलेगी, जिससे किसानों के लिए आय वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलगुरु ने आयोजन के फोल्डर का विमोचन किया। इस अवसर पर डीन डायरेक्टर्स, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वागमन बाधित होता है। करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए।

खेती की चुनौतियों के समाधान खोजेंगे देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ

1 दिसंबर से एग्रीकॉन जुटेंगे एसकेआरएयू में शोधकर्ता

बीकानेर | खेती की लागत कम करने, फसल उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में इजाफा करने के लिए कृषि क्षेत्र में नए नवाचारों और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर मंथन होगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में 1 व 2 दिसंबर को आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'एडवांसिंग एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइंसेज (एग्रीकॉन-2026)' में देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता और कृषि उद्यमी खेती से जुड़ी चुनौतियों और उनके संभावित समाधानों पर चर्चा करेंगे।

इको फास्ट एग्री सॉल्यूशन और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली संगोष्ठी में कृषि अनुसंधान को किसानों की व्यावहारिक जरूरतों से जोड़ने पर जोर रहेगा। स्मार्ट फार्मिंग, जलवायु अनुकूल कृषि, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मृदा एवं जल प्रबंधन, पादप

संरक्षण और पोषक तत्व प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। छात्र कल्याण निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ.एचएल देशवाल ने बताया कि संगोष्ठी का उद्देश्य कृषि संसाधनों का संरक्षण करते हुए उत्पादन क्षमता में सुधार करना और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना है। इसमें पशुपालन, डेयरी, खाद्य एवं चारा प्रसंस्करण, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, विपणन, कृषि शिक्षा और कौशल विकास पर भी चर्चा होगी। संगोष्ठी में फसल उत्पादन, बीज उत्पादन, पादप प्रजनन, जलवायु अनुकूल कृषि और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन सहित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजन के कुछ सत्र ऑनलाइन भी होंगे। ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 नवंबर है। कुलगुरु डॉ.राजेंद्र बाबू दुबे ने कहा कि संगोष्ठी के माध्यम से कृषि ज्ञान और तकनीक को किसानों की जरूरतों से जोड़ने तथा खेती की चुनौतियों के समाधान खोजने में मदद मिलेगी।

पारीक चौक में 684 कन्याओं का पूजन

संगोष्ठी

एसकेआरएयू में 1 व 2 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

टिकाऊ खेती से फसल उत्पादकता बढ़ाने पर जुटेंगे कृषि विशेषज्ञ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com



बीकानेर: जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच खेती को टिकाऊ बनाने, फसल उत्पादकता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के मुद्दों पर बीकानेर में देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ मंथन करेंगे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 1 व 2 दिसंबर को 'एडवांसिंग एग्रीकल्चर एंड एलाइड

साइसेज' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित होगी। इको फास्ट एग्री सोल्यूशन और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले आयोजन में कृषि वैज्ञानिकों, उद्यमियों, शोधकर्ताओं, हितधारकों

और विद्यार्थियों की भागीदारी रहेगी। कुछ सत्र ऑनलाइन भी आयोजित किए जाएंगे।

छात्र कल्याण निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एचएल देशवाल ने बताया कि संगोष्ठी का उद्देश्य कृषि

संसाधनों का संरक्षण करते हुए फसल उत्पादकता में सुधार करना और आधुनिक तकनीकों तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। इसमें जलवायु एवं पर्यावरण अनुकूल खेती, स्मार्ट फार्मिंग, प्राकृतिक व जैविक खेती, पशुपालन, डेयरी, खाद्य एवं चारा प्रसंस्करण, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, विपणन व्यवस्था, कृषि शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा होगी। ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 नवंबर निर्धारित की गई है।

शोध पैत्रों में खेती की चुनौतियों पर होगा फोकस

संगोष्ठी में फसल उत्पादन, मृदा एवं जल प्रबंधन, पादप प्रजनन, बीज उत्पादन, पादप संरक्षण, पोषक तत्व प्रबंधन और जलवायु अनुकूल कृषि सहित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। पशुपालन, डेयरी और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से जुड़े शोध भी चर्चा का हिस्सा होंगे। कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने कहा कि संगोष्ठी के

माध्यम से कृषि ज्ञान और तकनीक को किसानों की व्यावहारिक जरूरतों से जोड़ने, चुनौतियों के समाधान में मदद मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने में भी सहायता मिल सकती है। कुलगुरु ने आयोजन से संबंधित फोल्डर का विमोचन किया। इस अवसर पर डीन, निदेशक, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।